



हिन्भ गर्व मीभाभरी अर्था। यसम् अदभ न्य मार्थ इराधः। । द्रिष्ट्रपाद्धाः। मी अद्र वडा। मेरी ने । मीन किः। इं.कीलक्सा भरा ५ पति दिना एक स्पति विवाः। अर्थः निर्देशाः। अर्थे। अर्थे। अर्थे। व्याप्तिक स्थातिक स्थापिक स्थापिक स्थापिक निभूक हं ने प्रत्रे लिंगुका उत्तर यु हें दलाइ डि

कारभः॥ सम्बद्धः।। इद्धः हर्ययास्या ल्योमिम्बन्। लेबिम्पवेस्परि लेखेः करणयहभा तंत्रीन्द्रहर्षे घटना तंत्रन्य यद्रणात्रवराजाप्रक्रम् वेषवेषात्रभ्यम मीजिद्धिः मिजिन्नि भिरम् मिनि मिनि हिर्देश स्थानित है। भन्मकल्ड्निहां हाज्य ॥ महद्वा भीव्य CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

पिर्विविधिवविद्यक्ति ०.२। उत्तवविविधिविधिव क्यक्षाः भद्रभाष्ट्रितीयम् हिस्स्प्रीयम्भू भारति यामा । पत्रभूष्य में मुख्य विकासि । विश्वप काः। मीमें में हेन्ड । हो मी मी मिने से से बील क्रमाभवत्रभीनिव विकाल के प्राथितिवेतः। लेनह्य हो सः।। मीउल रे हे मुडा की भष्टरहर

म्याः

3

अल्लानं कार्लित है है अल्लानं विक्र के ववयम्सः।। मिरुग्यायस्थः।। भी मिरम्धु क्रीनिमाजेवधारी मंत्र इंडेडियारी मंत्र क्रिया यक्रमा वस्य स्ट्रिक प्राप्त सम्बद्धा विष्यम्भी महर्कमे न्यापूर्वममङ्भीमन

मिलिछिडमीइइभ्रा अर्थिष्डिम् स्ट्रियम् एक्स्रक्रमित्रपूर्वभा छस्तिक्रिय्याभः॥ ०-डा दिलारलेभड्भड्भड्मारथाई विमिष्ठः॥ रिषणीर्म विम्लभमेभः भीवङंभभागा मध्यी हे भभर्ते महिर्द्धाः । उत्यही इतः । म्रीहें भेदिव उपारंगीयां। मीमिताः। कंकीलक्भा भनगूड्भी

B

हरिका णाइलपितिविकाः।। मं मम्ब्रहरू रभः। मीउरमीहं अपात्रं अद्याहं व्यार । में प्रशानक हैं क्रिया में क्रिये क्रिये क्रिये क्रिये क्रिये व क्रिये व व क्रिये व क्र नमः। मीनिग्रम् ५ । इं.मिल नेवपरा मिन्द्रण यक्त्रभाष्ट्रिं दश्हें के घर्षा इः सुद्ध यहर्षाता ॥

नवर्गभा ४३५ग हैयिकं ग्रेंमं इभाजेंक भन्मभित्रभा भगभौ: अस्पिडण अप्रमुद्रिन म्यल्क्रविभागितालें द्वेः मीर्च के १५ कि। उर्व हभयभ्रद्गा० डाविर्लिङ स्माइी डिह्म भिप्रहेण स्युडी। मङ्बस ५ ड वर्षे मन्भादि इस्र । भू यडंडे हे मेर इस्क्रियंड प्रभागाडिंड दिल्ले

मीः

न्ध्रमीवाभर्थ।विभिन्नति।।रिन्नपोक रः। मी गः।। देन इष्ट्रेन्भः।। सीउल मीहं मुन्।। इं मध्यहं वयण। दिन्द्रां अक्टंड्रमादिक्षि। र्भः । त्रवष्ठक्षः। व्यक्तम्य वन्नः। दीक्षान

अद इं जिल्येवधण लेकव्यायुआ हिन्हाई विषत्। दः प्रश्चित्। अधिष्ठाः प्रवष्ट्राभ नभर्द निर्मा होते हैं है है से इस हैं में स्थान स्थान हैं आ क्रयानि किंद्रायण क्राविस इंचर में ने सम्म रल्डमा। महाज्ञेरं यहम्बयवण यम् द्राष्ट्र वृज्विष्ठ्रप्रयम्भभूरभङ्गङ्गः। त्राविद्याचित्र

मीः

व्यानाः रक्षाम् इराग्यान्य स्वाप्तिः । भीवान्य भारतिया भवगूर्भीम विका निका पिवितिये गः।।लेमप्रप्रदेशः।।द्रीउलगैहेयुन्।भीभ यमहब्यले । बर्च नर भिक्टे हिना हिक्षिष् क्रवेषण ति अन्काउल पश्चित ला हिन्द

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

। रुभः भवपरुष्तः विक्रययाभः तीमाम्भाद।। मीनिययेवधर् ।वाष्ट्रकवम्यकुभा लेनेइडेवेधर्। मिं अनुमुख्यदर । सम्प्राम् । हिस्स भवं महि।ह मालक्षेभागम् इत्राच्छा व्याप्त प्रमानिक विश्व अनुगरं कि उद्गेष्ठ देश के प्राप्त के सम्मान के प्राप्त अलग हें की बीच लें लें युद्ध है अबदि अबदि

स्री:

वार्भिरितः।। द्वारा स्वत्रा क्षेत्र स्वत्र क्षेत्र स्वत्र स्वतः स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्य स्वत्र स्वत्य स डे अभागदारि हर त्या ।।।। विश्व स्थानिक भड़े हर मैं महाराधः। च द्रीक्रकः। मी भूमे इत्र भवग्रुभीमानिकाणज्ञाणपितिवृत्ताः॥ग्रेषु मुं इंस्था मंडल रहिं मु हार भेट्र हैंबंदर् हें हर्म्य या अभा के मित्र में श्रुष्ट मित्र से विषेत्र भी गीक्वमयक्रभी।ग्रहेशयनक्रयन्द्रहेर्वेषर्यान्भः नन्यवद्यान प्रमान अवस्थान के जिल्ला 

म्री:

भामिविउपार्भमुत्रंभागित्रवाहरवामुल द्या नियम्न । क्रिक्ट नीयुन्य ग्यन्त्य न्भः ।।० ड स्ववद्याना। मभड्य प्रवयम् ना र्णमुक्त्राचा । रूडियः अवमद्रण्भं करः श्रीवङं भभागाम् अस्ति स्त्रामन्द्राभन्ते स्ति ।। मयहीस्र अस्ति होत्तर्था अस्त्रप्रिक्ष

राण्डारण्यविद्याः। मंद्रीयद्रप्रहंभः।मं मीउलगीर्म ना पड़म्य गाउँ में में मार्थ भारति यर्गान्तीनग्रभक्टेर्न्भार्मभःक्रिक्ट्वे । नवपर्द्धः। जेंद्री हर्ययभः। जेंद्री निग्ने मीः नाणुड्मकावित्र मने सामाने विषये। मित्री 3

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

क्वमयङ्ग्रभाग्नेभः रेङ्हेर्वे भए। भारत्ययः व अरंपमङ्ग्याभाषा भागाना में केयरं दि महम्मानभागा द्वारामान्य निम्मान्य निमान्य नि लंदीसीयुड्म्बाविस्मिनेस्य होतितं इरी।०.३।। ववडरा भारावासम्यः सम

प्रस्कालक्ष्मित्र व दर्शः । सम्बारः स्टाप्रश्चित्रः भी वरंभभाषा । । । सम्बन्धाराह्म स्टाप्रश्चारित्र स्टाप्रश्चार गयरीक्षरः। मीरक्रावरं। भवगुद्रभीन्भवराण केल्प्पेविदियगः॥ छन्द्र प्रहेनेभः॥ री उल्ले हैं यह । एं भर्म हैं वस्ता है वस अक्डे क्र्मा हैं विश्व हैं के प्रति ए : क्रिक्स प्रति हैं कि प्

नवयन्तः। इतियान्त्रः। सिर्धान्यन् प्रमिल्येव घट । हे क्व्याय हुन । हे ने इंड व घट एः न्यु यदण विषय स्था नीरं नुभार इक्मीइत्र्यं प्राप्त पुरंते गर्न गरेन्द्र हरू वहल्य हुने। स्व व अने। एक भी भी ह क्रेटइण्डिज्यम्द्र ने ही सी है युद्धा १ । १ जर्ज वस्य कर्छ विल्ङितिस्य मान्य निरुद्ध वित्रेश्व गुःशीयरंभन ॥ ॥ यथदीक्उभर्ध महारावः गयरीक्र - त्रीक्उरवर अच्यूडपीहर्मवरण्डी ल्यावितियाः त्रेद्धीमन्त्रप्रहेश्यः जीवल्यी हं सर काउप ज्या प्रमाण्या हं सारी के सामिक्ह क्रमा में क्षितिक्हें के या कि क्राउन ए पूर्

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

दण इंग्डिकार्यः अवधन्तः संसीहर्याय नभः जीभाग्य का जाउप निषयोग्य लंकवरणक्रभा मः नेइहेर्वेषर् ४५११३वदर यषष्टाना लाजुलयुज्ञ यसं परां नाइ वृद् अविक्रमक्षीयम् नुस्रभामित्रिः इनुलक्षेक्रक रामितिहरी लिएकर । सिर्मा देशीकी

इस्मिन्न के उत्तर्भाः चन ० ० ५ मिन्न इस्ट इस्ट के इस्ट के स्वास्त्र है। ज्ञान के इस्ट के स्वास्त्र है। ज्ञान के इस्ट के इस्ट

मु:



